

Happy New Year

New Year celebrations believe to replenish all the joys in life and help to keep the spirits glowing and undaunted. With the New Year comes not only the opportunity to look back at the past year with the warmest of memories and to gain from it, beautiful pearls of wisdom but also the sense of resolution to make the lives of everyone around positively affected.

Every year Department of Posts has been wishing everybody by bringing out different issues during New Year, either as New Year issue or Season's Greetings. This year the Department is bringing out the rich heritage of India through 12 beautiful Stamps together in a Mixed Sheetlet, which has the potential to evoke the sense of pride in every Indian. Each Stamp design has been chosen with a perspective to reflect the glory and magnificence of Indian Culture and heritage.

The first stamp depicts the Ganesh Pol. Ganesh Pol is located in the main palace of the Amber Fort. It is strategically important as entry through this gate was exclusive to the Kings to get into their private chambers. Ganesh Pol is fusion of Mughal and the Rajput architectural styles, famous for its ornamental archways and the fine latticework.

The second stamp is on Pashmina. Pashmina is the Cashmere wool of the highest grade. It is considered as diamond among fibres. The stamp depicts a hand spun Pashmina shawl woven in Kashmir with exquisite embroidery.

The third stamp depicts traditional Chhau Mask. Chhau is a major classical Indian dance form and is mainly performed during festivals in the Chaitra Parva, in which the whole community participates. It is believed that Chhau dance drives away the evil forces and let the righteousness prevail among the people. The effectiveness, originality, and beauty of the Chhau dance are dependent on the Chhau masks. Each mask represents a character from the epics, the Puranas, and from mythology.

The fourth stamp shows Worship of Bodhi Tree. It is a sandstone relief sculpture in the Sanchi Stupa Complex in Madhya Pradesh. Bodhi Tree, or the Tree of Enlightenment, is so called because it represents the ficus tree (peepal) under which Buddha is said to have attained enlightenment. Bodhi Tree motif is used as a symbol of Buddha himself. It is an elaborately carved sandstone relief sculpture in the Sanchi Stupa Complex.

The fifth stamp depicts Sarota. Sarota is a scissor like cutter made of metal, which is traditionally used to cut Areca nut into small pieces to be chewed along with other ingredients, wrapped in betel leaves. Sarota is found in many shapes and sizes and ornate designs in different parts of the

country. Sarota is a beautiful objet d'art, reminiscent of a relaxed household of a by-gone time.

The sixth stamp has a Peacock gate on it. Peacock Gate is one of the four gates at the inner courtyard which provides access to Chandra Mahal in City palace, Jaipur. It is ornamented with motifs of peacock and represents the Autumn season. It is dedicated to Lord Vishnu.

The seventh stamp depicts Chaitya Hall of Karle, Maharashtra. The beautiful columns, dating back to the 1st century BC are covered in carvings depicting life and work of Buddha. This is among the largest rock cut chaityas in India.

The eighth stamp shows Thanjavur painting. Thanjavur paintings are panel paintings done on wooden planks. The dense composition, surface richness and vibrant colours makes them incomparable. The embellishments of semi-precious stones, pearls and glass pieces add to their appeal. The relief work gives them a three dimensional effect.

The ninth stamp depicts Blue Pottery which is widely recognized as traditional craft of Jaipur. Blue Pottery has been named so due to the predominant use of blue glaze painting technique. The decorative patterns are largely florals rendered in Persian style.

The tenth stamp shows Glass window at Bagore-Ki-Haveli in Udaipur, Rajasthan. The splendid architecture of the mansion has exquisite stained glass work, of 18th Century.

The eleventh stamp is on Peitra Dura. It depicts a table top in Peitra Dura on black marble. Peitra Dura, a decorative art form is an inlay technique of using cut and fitted highly polished precious and semi-precious coloured stones to create images.

The twelfth stamp depicts a Zardozi carpet from Agra. Zardozi embroidery is beautiful metal embroidery which involves the use of gold and silver threads and also studded pearls and precious stones.

Department of Posts is pleased to issue a set of 12 stamps on the occasion of New Year.

Reference:

Visuals of Pashmina, Sarota, Thanjavur Painting, Blue Pottery and Zardozi provided by Cottage Emporium, New Delhi. Pictures of Peacock Gate provided by Sh. Arjun Kumar. Other visuals have been taken from internet.

Credits:-

Text : Based on the material available on internet
 Stamp/Sheetlet/Calendar/: Sh. Sankha Samanta
 FDC/Brochure
 Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma



भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

नव वर्ष की शुभकामनाएं HAPPY NEW YEAR



विवरणिका

भारत का वैभव
SPLENDOR OF INDIA

BROCHURE

नववर्ष की शुभकामनाएं

नववर्ष के स्वागत का उत्सव, जीवन को खुशियों और नए उत्साह से भरने का नाम है। नए वर्ष का आगमन हमें गुजरे साल की मीठी यादों को संजोने और अपने अनुभवों के आधार पर सीख लेने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ यह संकल्प करने का मौका भी प्रदान करता है कि हम अपने आस-पास के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का पूरे मन से प्रयास करें।

डाक विभाग, प्रतिवर्ष नववर्ष अथवा शुभकामनाएं विषय पर डाक-टिकट जारी कर, सभी को नए साल की नई शुरुआत की हार्दिक शुभकामनाएं देता रहा है। इस वर्ष डाक विभाग, इस विषय पर भारत की समृद्ध विरासत पर आधारित 12 खूबसूरत डाक-टिकटें जारी कर रहा है। मिश्रित शीटलेट के रूप में जारी ये डाक-टिकट, प्रत्येक भारतीय के मन को गौरव के भाव से भरने की क्षमता रखता है। प्रत्येक डाक-टिकट के डिजाइन का चयन इस दृष्टिकोण से किया गया है ताकि इसमें भारत की गौरवशाली संस्कृति और विरासत का वैभव प्रतिबिंबित हो।

पहला डाक-टिकट गणेश पोल पर आधारित है। गणेश पोल, अम्बर किले के मुख्य महल में स्थित है। इसका महत्व यह है कि इस प्रवेशद्वार से केवल राजा-महाराजा अपने निजी कक्ष में दाखिल होते थे। गणेश पोल के निर्माण कार्य में, मुगल तथा सजावटी मेहराबदार एवं महीन जालीदार निर्माण के लिए प्रसिद्ध, राजपूत वास्तुशैली का खूबसूरत मिश्रण है।

दूसरा डाक-टिकट पशमीना पर आधारित है। पशमीना उच्चतम कोटि का कश्मीरी ऊन है। पशमीना को बुनावटी रेशों में हीरा माना जाता है। डाक-टिकट पर अत्यंत खूबसूरत कढ़ाई से सजी हाथ से बुनी पशमीना शॉल का अंकन किया गया है।

तीसरे डाक-टिकट पर पारम्परिक छऊ मुखौटे को दर्शाया गया है। छऊ, भारत की शास्त्रीय नृत्य-शैली है, जिसे चैत्र पर्व के दौरान त्यौहारों में किया जाता है और इस नृत्य में पूरा समुदाय शामिल होता है। माना जाता है कि छऊ नृत्य बुरी ताकतों को दूर भगाता है और लोगों को सदबुद्धि प्रदान करता है। छऊ नृत्य का प्रभाव, इसकी मौलिकता और सुन्दरता, इसमें इस्तेमाल होने वाले मुखौटों पर निर्भर है। इस नृत्य-शैली में इस्तेमाल होने वाला हर मुखौटा, महाकाव्यों, पुराणों और धार्मिक गाथाओं के किसी चरित्र का प्रतीक होता है।

चौथे डाक-टिकट पर बोधि वृक्ष की पूजा का अंकन किया गया है। यह मध्य प्रदेश के सांची स्तूप परिसर में स्थित बलुआ पत्थर से बनी प्रतिमा है। बोधि वृक्ष अथवा ज्ञानोद्दीपक वृक्ष को यह नाम इसलिए प्राप्त हुआ, क्योंकि यह उस पीपल का प्रतीक है, जिसके नीचे बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। बोधि वृक्ष के प्रतिरूप का प्रयोग स्वयं बुद्ध के प्रतीक के रूप में किया जाता है। सांची परिसर में स्थित बलुए पत्थर से बनी यह प्रतिमा बेहद बारीकी और खूबसूरती से तराशी गई है।

पांचवे डाक-टिकट पर सरौता का अंकन है। सरौता, धातु का बना होता है और इसका आकार कैचीनुमा होता है। इसका इस्तेमाल सुपारी के छोटे टुकड़े करने के लिए किया जाता है। इन टुकड़ों को अन्य सामग्रियों के साथ पान के बीड़े में रखकर चबाया जाता है। सरौता कई प्रकार के आकारों तथा सजावटी डिजाइनों में देश के विभिन्न हिस्सों में मिलता है। सरौता ऐसी खूबसूरत कलात्मक वस्तु है, जो गुजरे जमाने की सुकून भरी जीवनशैली की याद दिलाता है।

छठे डाक-टिकट पर जयपुर के मयूर प्रवेशद्वार (पीकॉक गेट) का अंकन है। पीकॉक प्रवेशद्वार, जयपुर के सिटी पैलेस के अंदरूनी अहाते में स्थित चार प्रवेशद्वारों में से एक है, जिनके जरिए चंद्र महल में दाखिल हुआ जा सकता है। यह प्रवेशद्वार, मयूर के प्रतिरूप से सुसज्जित है और पतझड़ के मौसम का प्रतीक है। यह द्वार भगवान विष्णु को समर्पित है।

सातवें डाक-टिकट पर महाराष्ट्र स्थित कर्ले के चैत्य भवन का अंकन है। प्रथम शताब्दी ई.पू. में निर्मित इन स्तंभों को बुद्ध के जीवन तथा कार्यों को दर्शाती नक्काशी से सजाया गया है। यह भवन, पत्थर को काटकर निर्मित, भारत के विशालतम चैत्यों में से एक है।

आठवें डाक-टिकट पर तंजावूर चित्रकारी का अंकन है। तंजावूर चित्रकारी के अंतर्गत लकड़ी के तख्तों पर पैनल पेंटिंग की जाती है। इनकी महीन और गहन सजावट, खिला हुआ सतह और चमकते रंग, इनकी खूबसूरती को बेमिसाल बना देते हैं। बेशकीमती रत्नों और मोतियों के साथ-साथ शीशे के टुकड़ों की सजावट, इस कलात्मक चित्रकारी की खूबसूरती में चार-चांद लगा देती है। चित्रांकन में उभार की तकनीक इस्तेमाल किए जाने के फलस्वरूप इस शैली से सृजित वस्तुओं में त्रिआयामी प्रभाव उत्पन्न हो जाता है।

नौवें डाक-टिकट पर जयपुर के पारम्परिक शिल्प के रूप में विख्यात नीले रंग के मिट्टी के बर्तनों अर्थात् ब्लू पॉटरी का अंकन है। इस शिल्प को ब्लू पॉटरी का नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि इसमें मुख्यतः नीले रंग की चित्रकारी का इस्तेमाल किया जाता है। इन बर्तनों पर उकेरी गई चित्रकारी मुख्यतः बूटेदार होती है, जो फारसी शैली में बनाई जाती है।

दसवें डाक-टिकट पर उदयपुर, राजस्थान स्थित बागौड़ की हवेली की शीशे की खिड़की दर्शाई गई है। इस हवेली की उत्कृष्ट वास्तुशैली में 18वीं सदी के अत्यंत खूबसूरत रंगीन शीशों के सजावटी कार्यों का नायाब नमूना मिलता है।

ग्यारहवां डाक-टिकट पच्चीकारी (पेट्टा ड्योरा) पर आधारित है। इस डाक-टिकट पर पच्चीकारी शैली में काले संगमरमर से निर्मित एक टेबल टॉप का अंकन किया गया है। पच्चीकारी, उस सजावटी कला शैली का नाम है, जिसके अंतर्गत अत्यंत खूबसूरती से तराशे गए और बेहद चमकीले रत्नों को जड़ कर मोहक चित्र उकेरे जाते हैं।

बारहवें डाक-टिकट पर आगरा की मशहूर जरदोजी कालीन का अंकन है। जरदोजी में सोने एवं चांदी के धागों से कढ़ाई की जाती है। इस कढ़ाई में मोतियों एवं रत्नों का भी प्रयोग किया जाता है।

डाक विभाग, नववर्ष के अवसर पर 12 डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

संदर्भ: पशमीना, सरौता, तंजावूर पेंटिंग, ब्लू पॉटरी और जरदोजी के चित्र कॉटेज इंपोरियम, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त। पीकॉक गेट का चित्र श्री अर्जुन कुमार द्वारा प्रदत्त तथा अन्य चित्र इंटरनेट से प्राप्त।

आभार:-

मूलपाठ	: इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/शीटलेट/कैलेंडर/	: श्री शंखा सामंत
प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका	
विरूपण	: श्रीमती अलका शर्मा



तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 2500 पैसा (12)
Denomination	: 2500 p (12)
मुद्रित शीटलेट्स	: 1.5 लाख
Sheetlets Printed	: 1.5 lakh
मुद्रित कैलेंडर्स	: 50000
Calendars Printed	: 50000
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00